

M. NATYASANGEET WITH NOTATION

नाटक - शाकुंतल : राग - खमाज, ताल - ध्रुमाळी (मात्र-८)
नांदी - पंचतुंडनरुंडमालधर

१	२	३	४		१	२	३	४
सा	सारे	-रे	गम		प	पप	-प	पप
पं	चतुं	-ऽ	नर		रुं	ऽमा	-ल	धर
प	पप	-प	धनीसा		धप	गप	मग	--
पा	र्वती	-श	आ-		धी	नमि	तो	--
प	पनी	-नी	नीनी		सां	सानी	धनी	प
वि	ध्नव	-ग	नग		भ	ग्नक	रा-	या
ग	ग	पध	सान्नी		धप	गम	गपधन्नीध	पमगरसासा
वि	ध्ने	स्वर	गण		पति	मग	तो----	-----

नाटक - शाकुंतल : राग - जोगी, ताल - धुमाळी (मात्र-८)

साकी - भिक्षा मागुनी दरोदारी

१	२	३	४		१	२	३	४
<u>ध</u> भि	<u>ध</u> क्षा	<u>ध</u> मा	<u>धध</u> गुनी		प दा	प रो	प दा	प <u>ध</u> नीसा री
नी <u>ध</u> फे	<u>धध</u> डिन	पप ऋण	गम गणि		प के	प चे	प <u>ध</u> सांनी	नी <u>ध</u> पप
मम परि	म की	म तीं	पमम ला		रेम कलं	-म -क	प ये	प ई
नी <u>ध</u> ऐ	<u>ध</u> से	<u>ध</u> भा	प <u>ध</u> षण		म वा	ग चे	गमप <u>ध</u> पपमगम ----	प <u>ध</u> पपमग ----
प आ	पप ग्रह	प तू	गम नकरी		गमप <u>ध</u> नीसांनी <u>ध</u> प ---	मप <u>ध</u> पमग ---	रेगम --	गरेसासा ---

नाटक - शाकुंतल : राग - मिश्र भटियार-हिन्दोल ललत, ताल - धुमाळी (मात्र-८)

साकी - परक्याचे धन कन्या

१	२	३	४		१	२	३	४
गम	ध	पम	प-ग		गम	रे	सा	×
पर	क्या	-	चे-		धन	क	न्या	×
सा	सा	म	मम		म	मग	गग	गप
ते	त्या	दे	ऊनी		आ	जमी	सुट	लो-
पधपधनीधपप × गपगपधपपगग					रेगरेगमगगरेरे साऱेगमगरेसासा			
--	--	--	--		--	--	--	--
ध	पप	पधपधनीधपप	प-ग		ग-रेग	रेगरेसा	सा	
ठे	वज	शी	भा-		लका	--	सी	
सा	सासा	म	मम		म	मग	गग	गप
अ	पुनी	आ	जऋ		णा	तुनी	फिट	लो-
साग	-म	ध	-		मग	मग	-सा	सा-
मुली	-नो	-	-		या	आ-	--	ता-
म	म	म	म-गम		म	मग	गमध-	मधनीसा
गे	ली	ला	ड-की		-	-	ला-	---
-नीध	मध	म-म	म ग		गग	गग	गप	गरेसा
-	--	डकी	- -		मम	दुहि	ता-	--
गम	-ध	सां	ध		मग	मग	-सा	--
मुली	-नो	-	-		या-	आ-	-ता	--

नाटक - शापसंभ्रम : राग - पिलु व जोगी, ताल - धुमाळी (मात्र-८)
साकी - निराकारत्या निर्गुण

१	२	३	४		१	२	३	४
पनी	-नी	-नी	नी		धनीसान्नी	नीधपप	पध	सासा
निरा	-का	-२	त्या		---	--	नि	गुण
सा	नीसारेगरे	रेसान्नीसा			ग ग	ग ग	गरे	सासा
रू	पा	--	--		बहु	दिन	धुं-	डित
ग	रे	सा	सा		साग	गग	गमप-	प ग
हो	-	-	तो		सुगु	णअ	शी-	सा-
ग	रेसा	-सा	नी		नीनी	सारे रेसा	ससनी	धपप
का	र सुं	-द	री		दिस	ता-	--	छं
नीनी	सा	ग	रेसा		सारे	नी	नीनी	सारे
दसु	टे	--	तो		ला-	भे	जरी	मज
ग	रेगमग	रेगमगरे	सासा		मगम	पप	पप	गम
ला	-	-	-		वाटे-	मुक्ति	लाभ	घड
ग	गमपध	नीसांनीधप	मपधपमग	रेगमगरेसा				
ला	-	-	-	-				

नाटक - शाकुंतल (अंक पहीला) : राग - निलांबरी, ताल - धुमाळी (मात्र-८)
हरीदासी पद्धतिची दींडी - नेत्र माझा चुकवूनी

१	२	३		४	५	६
				रे	-	ग
				ने	-	त्र
म	-	प		-	धु	प
मा	-	झा		-	चु	क
म	-प	म		गु	रे	गु
वू	-	नी		ह	ळु	चि
सारे	गु	सारे		मगु	-	-रे
पा	-	-		-	-	-
सा	-	-				
हे	-	-				

Second & Forth Line is same. And third is different type.

१	२	३		४	५	६
				ग	ग	म
				वि	न	य
प	प	प		-	प	प
व	ती	ने		-	स्म	र
प	धु	प		ग	-	म
ना	-	ही		ह्ला	-	कि
गम	गम	पध		निसां	-	-
ये	-	-		-	-	-
सांनि	धप	मग		रेसा		
ला	-	-		-		

नाटक - मृच्छकटिक : लावणी पद्धत, ताल - दादरा (मात्र-६)
दींडी - श्रवणि सखिच्या

सासासा गु गु गु - गु रे - ग रेसारे सारेगम मगरेगरेसा
श्रवणि सखिच्या - का - दं - ब कुसुम पा--- ----हे

रेगममगरे, सारेममगरे, सारेममगरे, सारेममगरे, सारेगरे, सारेगरे,
सारेगरे, सारेगरे, रेसासा.

प - मपध - पम - गरेग - रेसा सारेमपसां प ध - पम गरेग रेसासा
पा - -- -- -- -- हे पा ----- - - - - - हे--

नाटक - शाकुंतल (अंक सातवा) : राग - भैरव थाट, ताल - दादरा (मात्र-६)
दींडी - कृष्ण सर्पाचे पोर चंदनाला

ग म रे रे सा ग म प ध सां नी ध ध प
कृ ण स र्पा चे पो र चं द ना - - - ला

प प सा सां सां प सां सां सां प प प म ग
त से पी डु नी - हे प शू - स्व ता ता ला

ध ध नी सा सा सा रे सा सा रे म ग सा रे म ग रे सा रे सा नी ध
नि शा - र म्या ही - वि म ल चं - द्वि के - - - - - ने - - -

Second & Forth Line is same. And third is different type.

सा सा रे म म म प ध प म ग रे ध प म ग रे सा रे सा नी ध
वि ज न व नि या ए क ली - प्रि या रा - - मा - - -

नाटक - शाकुंतल (अंक चवथा) : राग - पीलू , ताल - धुमाळी (मात्र-८)
 स्त्री गीत - अजि शेवटचा

१	२	३	४		१	२	३	४
			सानि		सा	गुरे	गु	-
			अजि		शे	वट	चा	-
रे	सानि	निसा	रेगु		सारे	नि	ध	धनी
ला	भवि	हा-	मम		ते-	चा	-	मज
सा	-सा	निसा	रेगु		सारे	सा	-	×
हो	-य	तुम	च्या		करि	चा	-	×
								सासा प्रति
रेग	म	म	मग		रेरे	ग	-	सा
दिव	शी	को	मल		करि	ची	-	वे
रेम	मम	म	मग		रे	ग	-	×
णी-	फणी	आ	ता-		कै	ची	-	×

नाटक - सौभद्र : राग - झिंजोटी, ताल - दादरा (मात्र-६)

कानडी चालीचे स्त्री गीत - अरसिक कीति हा शेला

१	२	३	४	५	६		१	२	३	४	५	६
गग	प	ध	सांनि	प	ध		सां	सां	-	-	-	धसां
अर	सि	क	कीति	हा	-		शे	ला	-	-	-	त्या-
रेमं	गं	मं	रेगं	सां	-		ध	नी	ध	प	ध	ग
सुं	द	र	तनु	ला	-		सो	डु	नि	आ	ला	-
१	२	३	४		१	२	३	४				
प	प	पध	पम		ग	-रे	गम	प				
जा	ऊ	का-	मा-		ला	-स	ख्या-	नो				
मम	पम	गुरे	गुरे		सा	-	×	×				
दिव	सकि	ती-	आ-		ला	-	×	×				
म	मम	मम	म		पप	-प	पध	नि नि				
पं	जर	शुक	सा		रिके	-स	गा-	यन				
पप	पनि	धप	गम		प	-प	पध	नि				
शिक	वा-	या-	जा-		ते	-स	खे	-ग				
पप	पनि	धप	गम		प	-	×	×				
शिक	वा-	या-	जा-		ते	-	×	×				

नाटक - शाकुंतल : राग - शंकराभरणं, ताल - झंपा (मात्र-१०)
हरिदासी पद्धतिचा झंपा - मला शांत मुनि भासतो

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
सां सां सां सां ध रे सां सां ध प ध म ग
म ला - शां - त मु नि भा - स तो -

रे रे ग म ग रे सा × नी नि नि नि नि नि नि नि नि नि
भू - प नो - हे - × पा हु नि - प्रे - म ज ल

ध प प - ध ग प × ग ग प ध सां - सां सां सां
ने त्रि वा - हे - - × आ ऋ मु नि भू - मि ही -

सां - रे गं रें सा सां सां ध प
ध - म पा - लो - नि या -

नाटक - शाकुंतल : राग - आनंद भैरवी, ताल - दादरा (मात्र-६)
हरिदासी पद्धतिचे पद - काय मला भूल पडली

१	२	३	४	५	६		१	२	३	४	५	६
सां	-	सां	सां	सां	धु		प	-	धु	म	प	म
का		य	म	ला	-		भू	-	ल	प	ड	ली
रे	-	गु	म	प	म		निधु	पम	गुरे	सानि	-	सा
भा	-	न	ह	र	प		ले-	-	-	-	-	-

दुसरे चरण अंत-याचे खालील प्रमाणे

१	२	३	४	५	६		१	२	३	४	५	६
नि	-	ध	नि	प	ध		नी	सां	नि	सां	सां	सां
ऐ	-	शा	-	त्या	-		ऐ	-	न	रं	-	गी
ग	-	म	प	प	ध		सानि	धप	मगु	रेसा	निसा	-
व्यं	-	ग	जा	-	ह		ले	-	-	-	-	-

नाटक - सौभद्र : राग - बिभास, ताल - दादरा (मात्र-६)

भूपाळी पद्धतिचे पद - प्रिये पहा (रे, ध शुद्ध घेतात, देशकार चा आविष्कार)

१	२	३	४	५	६		१	२	३	४	५	६
					ग		ध	-	सां	-	ध	प
					प्रि		ये		प	-	हा	-
प	ग	प	-	प	-		ध	ध	सां	ध	प	प
रा	-	त्री	-	चा	-		स	म	य	स	रु	नि
ग	-	ग	ध	प	-		ग	-	रे	सा	-	-
ये	-	त	उ	षः	-		का	-	ल	हा	-	-
ग	-	ग	प	-	प		ध	-	सां	ध	प	प
थं	-	ड	गा	-	र		वा	-	त	सु	ट	त
ध	-	सां	सां	-	सां		ध	धा	सां	प	-	प
दी	-	प	ते	-	ज		मं	-	द	हो	-	त
ग	-	ग	प	-	प		ध	-	सां	ध	प	प
दि	-	ग्व	द	-	ने		स्व	-	च्छ	क	रि	त
ग	ग	ग	ध	प	प		ग	रे	ग	सा	-	-
अ	रु	ण	प	स	री		नि	ज	म	हा	-	-

नाटक - सौभद्र : राग - जोगी, ताल - धुमाळी (मात्र-८)
लावणी पद्धतिचे पद - वद जाऊ कुणाला

१	२	३	४		१	२	३	४
			पध वद		सां जा	सांसां ऊकु	सां णा	सां ला
धुनि शर	धुनि ण-	पधु करी	सांनि जो-		धधु हर	पप णसं	-प -क	गम टा-
प चे	- -	- -	धु मी		पधु धरी	मग नच	रेग रण	मग त्या-
रेसा चे-	- -	सांसां अग	सांसां सख		रेम ये-	मप -	पधु-म -	पधु वद

नाटक - सौभद्र : शुद्ध धैवत, कोमल निषाद, ताल - धुमाळी (मात्र-८)

पंडीत मनोहर यांची चाल पद - वद जाऊ कुणाला

१	२	३	४		१	२	३	४
			पप वद		ध जा	सांसां ऊकु	सांरेंगं णा-	-सा ला
<u>निनि</u> शर	<u>नि</u> ध णक	पध री-	<u>सांनि</u> जो-		ध ध हर	प ध णसं	<u>ध</u> प -क	गम टा-
प चे	- -	- -	ध मी		पम धरि	गरे न-	सारे चर	सारेग ण-
रेग त्या	मग -	रेसा चे	सासा अग		रेम सख	म ये		

नाटक - सौभद्र : राग - पिलू, ताल - दिपचंदी (मात्र-१४)

लावणी पद्धतिचे पद - पुष्प पराग

१	२	३		४	५	६	७		८	९	१०		११	१२	१३	१४
×	प	प		धृ	पप	-म	गम		गम	धृ	प-		मग	-	सा	नि
×	पु	ष्प		प	रा	-	-		-	-	-		-	-	ग	सु
सा	रे	सारे		पप	पम	मग	गुरे		सा	नि	-		सा	ग	-	सा
गं	-	-		-	-	-	-		धि	त	-		शी	त	-	-
निसा	गुम	पध		मप	गुम	गुम	गुम		धपप	-मग	-		सा	-	ग	म
ल	-	-		-	-	-	-		-	-	-		-	-	अ	ति
प	-	प		ध	-	धप	-म		ग	-	म		ग	-	म	-
मं	-	द		च	रे	-	-		व	-	न		चा	-	यू	-
गुम	पध	नि		निनि	मनि	सारे	सानि		पध	सानि	धप		मग	रेसा	निसा	-
हा	-	-		-	-	-	-		-	-	-		-	-	-	-
नि	सा	मग		मग	-	मग	-म		प	-	मप		धृ	-	प	-
नि	खि	ल		-	-	-	त		रू	-	-		ति	-	ल	-
म	-	-		म	-	म	-		गुम	पध	निध		पम	गुरेसा	निसा	-
प	-	-		क्षि	-	उ	-		ठो	-	-		-	-	नी	-
ग	-	-		ग	-	ग	-		ग	म	-		गम	पध	ग	म
श	-	-		ब्द	-	क	-		री	-	-		ती	-	कि	ती
म	म	-		गम	पध	सांनि	धप		मग	रेसा	निसा		गुम	पनिसां	प	
मं	जू	-		हा	-	-	-		-	-	-		-	-	-	

नाटक - संशयकल्लोळ : राग - पहाडी, ताल - धुमाळी (मात्र-८)

लावणी पद्धतिचे पद - सुकांत चंद्रानना पातली

१	२	३	४		१	२	३	४
सारे सुकां	गरे -त	साध चं-	सारे द्रान		ग- ना-	मग-मग --	रेनिरेग --	रेसा पा-तली
ग भरू	रेरे धनु	साध सर	सारे सावू		सारेगमगरे नी	- -	सारेगमगरे -	सासा -
सारे कटा	गरे क्ष-	सारे खर	सासा शर		नि- सो-	निसा डुनि	निध भे-	पप दित
निग हृद	रेरे यवि	साध गज	सारे गामि		ग- नी	मगरेगपध ---	निध पमगरे -	सासा -

नाटक - सौभद्र : राग - यमन, ताल - ध्रुमाळी (मात्र-८)

पारंपारिक चालीचे पद - राधा धर मधु मिलिंद जय जय

१	२	३	४		१	२	३	४
ग	रे	साध	सारे		रेग	-रे	सारे	सासा
रा	धा	धर	मधु		मिलिं	-द	जय	जय
रेग	-ग	गग	गग		मगग	रे,सारेग	मगरेग	-सासा
रमा	र	मण	हरि		गो-	--	--	-विंद
ग	ग	प	पप		पध	-ध	सांसांनिधनी	-पप
का	लिं	दी	तट		पुलिं	-द	लां---	छीन
गग	गग	गनिनिध	पप रे		ग-म ग	म गरे	गरे	सासा
सुर	नुत	पा दा-	-र		विं -	द	जय	जय

नाटक - कुंजविहारी : राग - ----, ताल - धुमाळी (मात्र-८)

पद - त्यजी भक्तासाठी लाज

१	२	३	४		१	२	३	४
			धिसा त्यजी		रेग भ-	गम क्ता-	रेग सा-	सारे ठी-
सारेगम ला	- -	म ज	पम जगि		ग दा	-म -स	गरे हो-	सारे ऊनि
गरे आ-	गरे -	सा लो	मम निज		मम मुखा	-म -त	म- ली	गम बो-
पम रे-	धपप --	× ×	मग दे-		मनि मज	धनि शब	धप री-	गम स्वक
पम रे-	धपप -	× ×	म ती		म से	मम वुनि	म नि	म र्धा
रेम रे-	मप -	पध -	धप बहु		ग तृ	म प्त	गरे मा-	सारे नसि
गरे झा-	गरे -	सा लो	निसा त्यजि					

नाटक - संन्याशाचा संसार : राग - रागेश्री, ताल - धुमाळी (मात्र-८)

पद - बारे पांडूरंगा

१	२	३	४		१	२	३	४
	×ग	मप	-ध		नि	सां	-	निध
	×बा	रेपां	-डू		रं	गा	-	-
सां	-ध	नि ध	निसांगं-रें		सां	-	निसां	निसारेसां
-	-के	व्हा भे	- ट		दे	-	-	-
नि	धम	ध ध	धनि		धनिसां	-	निसां	निध
सी	-झा	लो मी	पर		दे-	-	-	शी-
धप	म	गम	रे		सा	-ग	म	
तू-	-	झ्या-	वी		ण	-बा	रे	

नाटक - तुलसीदास : राग - पहाडी, ताल - धुमाळी (मात्र-८)

पद - राम रंगी रंगले मन

५	६	७	८	।	१	२	३	४
×	×ग ×रा	मरे मरं	-नि -गी	। ।	सा रं	-सा -ग	निसा ले-	निसा मन
धनिसाध हे -	निसागप - आ	मप त्तरं	-प गी	। ।	मं रं	प ग	गरे ले-	गपम म-
ग- न-	रेग-ग - चि	धप त्तदं	-मं -ग	। ।	ग जा-	-रे -ह	ग-पम ले -	ग --
सारे -	-सासा -चर	साग णीने	-मं त्र	। ।	प- गुं-	-प -त	मग ले-	प -
मप -	-ग -भुं	धप गअं	मं -बु	। ।	ग जा	-रे -त	ग पम ले-	ग -
सारे -	साप मन	मप तरं	-मं -ग	। ।	ग भं	-रे ग	ग पम ले -	ग -
सारे -	-ग -अं	मरे तरं	-नि -ग	। ।	सा दं	-सा -ग	धनिसारे ले-	निसारेग -
ग-सारे मन-	-ग -रा	मरे मरं						

नाटक - कान्होपात्रा : राग - धानी, ताल - भजनी ठेका
पद - अवधाची संसार

१	२	३	४		१	२	३	४
गुग	गु	रे	नि		सा	-	सा	-
अव	घा	ची	सं		सा	-	र	-
×	रेम	-प	निप		म ग	म ग	रे	सा
×	सुखा	-चा	-क		री-	-	न	-
×	पनि	सां	रें		नि	सां	नि	प
×	आनं	दे	भ		री	-	न	-
×	गुम	-नी	प-		मग	मग	रे	सा
×	ति	-न्ही	-		लो	-	की	-
×	गुम	-प	निप		नि	सा	-	सा
×	जाई	-न	गे-		मा	-	-	ये
×	प नि	सां	गंगं		रें	-	सां	-
×	तया	पं	ढर		पूर	-	रा	-
×	प नि	सां	रें		निसां	-	नि	प
×	भेटे	न	मा		हे-	-	रा	-
×	गुम	पनि	मप		मग	मग	रे	सा
×	आ-	पु-	-		ली	-	या	-

नाटक - सावित्री : राग - जंगला, ताल - धुमाळी (मात्र-८)

पद - हे देवा मजला घडावी

१	२	३	४		१	२	३	४
	×रे ×म	सा ^{नी} जला	धु ^{नी} -घ		सा डा	सा वी	सारेगरे हे-	गपमग दे-
रेसा वा-	×गु ×त	रेगु वपा	सा द		रे से	- -	सा वा	निसारेसा दे-
नि वा	पगु -स	गगु हवा	सा स		रे व्या	सा वा	सारेगरे हे-	रेगमग दे
रेसा वा-	×रे ×से	म वे	म त		प भा	पप गपा	मध -व	प ता
रेम सह	मपध जा-	प मप मिळे-	गुम सम		गुरे ता-	×गु ×छं	-गु -द	-गु -अ
रेसा सा-	सासा पुर	सारेगरे वा-	रेगमग वा-		रे दे	सारे वाम	सा ज	

नाटक - अमृतसिद्धि : राग - पहाडी, ताल - धुमाळी (मात्र-८)

पद - धावत येइ सख्या

१	२	३	४	।	५	६	७	८
-प -धा	मप वत	गरे ये-	सारे इ स		सा ख्या	धनि यदू	साग रा-	रेगमप या-
-गम -ना	पनि तरी	मध महि	प मा		मप जा-	गरे ईल	रेरे विल	रेगम या-
प प ब ध	प आ	मग चरि	प ला		ग ध	गप र्मज	गरे गी-	सा मी
ग म शिक	प नि विला	नि ध -सि	प तू		म प तू-	म ग चिका	ग रे -स	रेगम या-

नाटक - शाकुंतल : राग - जोगीया, ताल - ध्रुमाळी (मात्र-८)

पद - जा ते की मम शकुंतला

१	२	३	४		५	६	७	८
सा	रेग	रे	सासा		मम	-पम	रे	साध
जा	ते-	की	मम		शकुं	-त-	ला	ही-
सा	सासा	गम	पधु		प	-	मपधु-	मपधु-
आ	जचि	पति	सद		ना	-	-	-
पधुनीनी	धुपमग	× गम	पपमग		रेरे×	सारगग	रेसानिसा	
-	-	-	-	-	-	-	-	
धु	धु	धु	धु		प प	पधुनिसां	निसांनिप	धु प
उ	त्कं	ठे	ने		काळि	ज-	-तु	टते
ग-मग	रेसा	सार	ममप					
हु-र-	हु र	ला-	गेमना					

नाटक - शारदा : राग - भीमपलासी (क्वचित कोमल धैवत), ताल - दादरा (मात्र-६)

पद - मूर्तिमंत भीति उभी

१	२	३	४	५	६		१	२	३	४	५	६
प	-	ध	म	-	प		गु	-	सा	रे	सा	-
मू	-	र्ति	मं	-	त		भी	-	ति	उ	भी	-
सा	सा	रे	नि	-	सा		म	-	ग	गुमप	म	प
म	ज	स	मो	-	र		रा	-	-	-	हि	ली
नि	-	ध	नि	धप	म		पध	नीसां	नीध	प	-	प
वा	-	ट	ते	-	दु		जा	-	सु-	दा	-	म
प	प	ध	म	-	प		मग	मग	म	गम	पनीसां	प
म	ज	दि	से	-	ल		त्या	-	स्थ	ळी	-	-
नी	-	प	ग	-	म		प	नि	नि	सां	सां	-
दा	-	ख	वा	-	व		या	-	स	म	ला	-
नी	-	नी	सां	-	रे		नि	रेंसा	नि	ध	प	-
ता	-	त	ने	-	त		त्या	-	क	डे	-	-
नि	-	ध	नि	धपम	म		पध	निसां	निध	प	-	प
रा	-	क्ष	सा	-	रु		चे	-	ल-	का	-	प
सांसां	-	निप	म	-	म		मग	मग	म	पनि	सां	प
हा	-	व-	या	-	ज		सा	-	ब	ली	-	-

नाटक - सौभद्र : राग - अरब्बी, ताल - दादरा (मात्र-६)

दाक्षिणात्य चालीचे पद - पांडुनृपति जनकजया

१	२	३	४	५	६		१	२	३	४	५	६
ध	-	सां	सां	सां	सां		ध	रें	सां	ध	प	-
पां	-	डुं	नृ	प	ति		ज	न	क	ज	या	-
ग	पध	नीसां	ध	-	प		मप	मम	रे	रे	सा	-
मा	ता	-	कुं	-	ति		य-	दु-	त	न	या	-
ध	-	ध	सां	-	सां		रें	गं	रें	गं	सां	-
ध	-	र्म	भी	-	म		बां	ध	व	ज	या	-
ध	-	ध	सां	-	सां		सांरें	गंरें	सांसां	धप	मग	रेसा
ना	-	मे	वि	ज	य		जो	-	-	-	-	-

नाटक - मृच्छकटिक : राग - दरबारी, ताल - त्रिताल (मात्र-१६)

पद - रजनिनाथ हा नभी उगवला

१	२	३	४		५	६	७	८
					गुम	रेरे	-सा	सा
					रज	निना	-थ	हा
सारे	-सा	रेप	म गु		नि प	पप	प	मप
नभि	-उ	गव	ला-		रा-	जप	थी	जणू
सां	निप	मप	म ग		मम	मम	प	निध
दी	पधि	गम	ला-		नव	युव	ती	च्या
निनि	सां	निनि	सांसां		सांरें	रेंरें	रें	सां
निटि	ला	सम	किती		विम	लदि	से	हा
निनि	सांसां	निसांरेसां	निप		प-	मम	पप	धध
ग्रह	गण	भो-	वती		शु-	भ्रकि	रण	घन
निनि	सां	निनि	सां		रें	सां	नि	पनी
तिमि	री	पड	ती		पं	की	जे	विप
पमप	मगु म	रे	सा					
या-	च्या -	धा	रा					

नाटक - संगीत मानापमान : राग - शामकल्याण आधारित, ताल - पंजाबी त्रिताल (मात्र-१६)

पद - शूरा मी वंदिले

१	२	३	४		५	६	७	८
			सा		रे म	प म	रे सा	नि
			शू		रा-	-मी	-वं	-दि
सा	-	नि	प		निसारे-	ग	म म	म
ले ।	-	धा	रा		ती -	थी	त प	ते
म	प ध	प	म रे		मपध-	-ध	ध	पध
आ	चर	ती	से-		ना-	प	ति	यश
म	पध	पमरे	सा		म म	म म	म	म म
या	चि ब	ले-	शू		शिर	कम	ला	सम
प	-प	नि-	धनिसांनिधप		प प	सांसां	सां	सांसां
री	-अ	र्पि	ती		जन	हित	पू	जन
सारें	सां	सांसां	निधनी		प	×ग	धप	धर्म
वी-	रा	सुख	शां-		ती	×रा	ज्य सु	खयिा
म	पध	पमरे	सा					
सा	धुमु	ळे-	शू					

नाटक - श्री : राग - खंभावती, ताल - झपताल (मात्र-१०)

पद - सखि मुख चंद्र

१	२	३	४	५	।	६	७	८	९	१०
								×ध ×स	म खि	धध मुख
सां चं	- -	निसां -	सां द्र	नि भ्रां	। ।	ध -	प त	×ध? ×न	पम करो	पम -म
ग ना	मग -	मसा -	सा सी	सासा खर	। ।	रे पा	मम -प	प ते	प हि	धसां वच
सांरेंगं ना-	रेंगं -	मंसां -	सां ही	रेंनि वमा	। ।	ध -	निध -	पम या। कु	पनी वचा	-नी -वि
सां धा	निसां -	सां ता	धसां शिक	सांरेंगं वि	। ।	रेंगं --	मंसां --	सांनि कै	सांनि -	धप सा-
ध वि	प धु	प की	धम -र	ग णी	। ।	ग त	ग म	ग भा	म -	सा व
सां हो	सांरेंगं ई -	रेंगं -	सां ल	सांनि कधी	। ।	ध का	ध -	प य		

नाटक - शिक्का कट्यार : राग - जयजयवंती, ताल - मध्य त्रिताल (मात्र-१६)

पद - मंगल ते प्रिय धाम

१	२	३	४		५	६	७	८
					सा मं	सारे गल	निसा ते-	धनि प्रिय
रे धा	रेग मया	म-पम -म-	गरे ना-		सासा मम	सारेग ता-	रे नि	सासा ईर
सा मा	सा तृ	सानि हृद	धप यते		ध चुं	धध बचुं	नि बि	धप ता-
पमम ये-	गरे अं-	रेगमग गा-	रेसा ई-		मप वद	निनि नसु	सां मां	सां चा
सां चुं	सांरे बन	नीनी मे--	धप वा-		ध भा	निरें नहि	सांनि रा--	धप वी-
पमम मो-	गरे द-	रेगमग मा--	रेसा इना					

नाटक - रामराज्य वियोग : राग - बिहाग, ताल - दादरा (मात्र-६)

पद - कवणे तुज गांजियले

१ २ ३ ४ ५ ६	१ २ ३ ४ ५ ६	१ २ ३ ४ ५ ६
नि सा ग म प नी क व णे - तु ज	सा - नि ध प म गां - जि य ले -	ग - म पम ग म सां - ग सुं ड - द
ग - रे निरे सासा - री - - - - -	प प प नी - नी त्य जु नि शे - ज	सां - सां रें सां - लो - ळ शि का -
नी - नी नी - नी ऐ - सी भू - व	पध सांरे सांनि धप मग रेसा री - - - - -	म - ग म प नी रं - का - ते -
सां - सां सां सां सां रा - व क रि न	नी - नी - ध नी रा - वा - ते -	नि सां नि ध प प क रि न - दी न
म - ग म प नी व - ध्या - ते -	सां - सां सां - सां प्रा - ण दा - न	नी - नी - ध नी नि - र्व - ध्या -
नि सां नि ध प प ख चि त व धि न	प - नी सा गं गं रा - मा - ची -	मं गं रें सां - सां श प थ जा - ण
ग - म प नी मप स - त्य मी क री	निसां गंरें सांनि धप मग - - - - - कवणे.	

नाटक - राक्षसीमहत्वाकांक्षा : राग - भैरवी, ताल - केरवा (मात्र-८)

पद - मी नव बाला जोगिण

१	२	३	४		१	२	३	४
सा मी	गुम नव	गुम पधु बा -	पम ला-		गु जो	प मगु गी-ण-	सा रे ब न	सा ले ।
धु जो	धु धु गिण	धु धु ब न	धु ले		प प ज गा	म गु - वि	म प स र	म ले
सागु ज गा	गु वि	म प स र	म ले		ग-मप सु-खा	मगु रे -वि	सा रे सर	सा ले
प यौ	प प वन	प ही	प प नच		ध ध ग णि	धप मग ले -	गमप हा-	म य
गु गु प र	ग मा	म त्मा	म व		गु गु ल्लभ	मप मगु शो -	रे धा	सा चे
गु गु पिसे	-गु -च	मप भर	म ले		प म जगा .			

नाटक - स्वयंवर : राग - यमन, ताल - त्रिवट (मात्र-८)

पद - नाथ हा माझा

१	२	३	४	।	५	६	७	८
						पधनी ना - -	धप थहा	मगप- मा-झा
रेग मो-	रेनि -	निरेग ही-	रेग खला	। ।	ग शि	प शू	रे पा	सा ला
नी भा	नीधं री-	निरे झा-	सा ला	। ।	नीरेग वी-	रे र	ग रु	ग क्मी
निध शिष्टु	पम सम	गरे आणि	नीरेसासा ला -	। ।	ग वी	प रा	पध लो-	पप ळवि
सांसां मग	सांसां हळू	निरें धरू	सां नी	। ।	निरें कर	गंरें र-	सांनि त्ता-	धपप ला-
गरे जणू	गप हा-	रे ल्या	सा ला	। ।	नाथ.			

नाटक - स्वयंवर : राग - तिलक कामोद, ताल - रुपक (मात्र-७)

पद - मम सुखाची ठेव देवा

१	२	३	४	५	६	७
म	रे	म	ग	---रे	सा	-
म	म	सु	खा	----	ची	-
ग	---रे	म	ग	---रे	सा	-
ठे	----	व	दे	----	वा	-
नी	नी	-	सा	-नीसा-	सा	-
तु	म्हा	-	पा	-	शी	-
नी	-	प	सा	-	-	-
ठे	-	-	वा	-	-	-
सा	-	ग	रे	प	म	प
ती	-	स्मृ	ति	व	रि	लि
ग	-	---रे	सा	-	सा	सा
हा	-	----	वी	-	म	म
मरे	पम	धप	ध	पम	ग	---रे
का-	--	--	-	र-	णे	----
सा	ग	रे	पध	पध	म	ग
ज	न	क	ना	-	वा	-
प	प	सां	सां	सां	-	सां
अ	खि	ल	ही	ख	-	चे
सां	रें	सां	-	सां	-	सां
चि	क	री	-	आ	-	प्त
सां	-	सां	सां	-	प	प
दे	-	व	ध	-	-	र्म
ध	प	ध	म	-	ग	रे
वै	-	भ	वी	-	व	र
ग	सा	-	सा	सा	रे	प
अ	जि	-	हा	अ	सा	-
ध	म	-	ग	रेग	रेसा	सा
म	ला	-	द्या	-	वा-	-

नाटक - स्वयंवर : राग - भूप, ताल - त्रिवट (मात्र-८)

पद - सुजन कसा मन चोरी

१	२	३	४	५	६	७	८
				रेग सुज	रेरे नक	साध सा-	सारे मन
गप चो-	ग री	गप अग	गरे हा-	गप चो-	धसां री-	पध यदू	पप कुल
गरे नं-	सारेगप द---	धसांधप --न-	गरेसासा --	गप सह	पध जने	-प -त्र	गरे भिडे
गप सह	पध जमो	सांसां -ह	रेंसां पडे	धध सह	सांसां जचि	रेंसां करी	धप मम
गप हृद	पगप यहे-	धसां- -	धप वे-	गरे डे-	-ग -वि	पप लीन	ध- लो-
पग चन	रे -	गप मा-	धसां र्गे-	पध शिर	पप तघ	गरे री-	सारे मन

नाटक - स्वयंवर : राग - भिमपलासी, ताल - त्रिवट (मात्र-८)

पद - स्वकुल तारक सुता

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
										नी	ध	प	ग	-	रे
										स्व	कु	ल	ता	-	र
रे	सा	-	×	नी	सा	नी	सा	गम	प	प	प	मप	-	ग	म
सु	ता	-	×	सु	व	रा	-	-	व	रु	नी	वा-	-	ढ	वी
-	प	नी	नी	प	नी	सां	-		प	प	प	मध	पम	ग	म
-	वं	-	श	व	नि	ता	-		सु	ख	वि	ला-	--	न	च
प	प	नी	नी	सां	-	सां	-	प	नी	सां	गं	रें	-	सां	-
ज	न	क	न	मा	-	ता	-	ऐ	-	शी	-	कां	-	ता	-
सां	नी	ध	प	गमपनि	सानिधप										
न	र	क	र	ता--	--	-----									

नाटक - सत्तेचे गुलाम : राग - बागेश्री, ताल - त्रिवट (मात्र-८)

पद - बोधाया न काय मन लागे

१	२	३	४	५	६	७	८
						-म -बो	ध धा
नी या	नीध नका	-म -य	गुम मन	रे ला	सा गे ।	निसा कृति	निध हे-
साम विष	म- मा-	ध- या-	ध- प्रे-	-ध -मा	-सां -ग	ध- मा-	
				रेंसां बला	-रें -ब	निध लका	पध ल-
धनिसां घ्या-	सांसां निआ	-सां -णु	सां नि	धसां वरि	सांरेंगुं ली-	रेंगुं -	सांरें री-
सां ती	-सां र	निध मणि	पध च्या	पधनि -	धम भ्रमा.	- -	

नाटक - सौभद्र : राग - आनंदभैरवी, ताल - धुमाळी (मात्र-८)

पद - किति किति सांगु तुला

१	२	३	४	१	२	३	४
धप किति	-मग -सां-	-सा -गु	-नि -तु	सा ला	-ग -ग	रे- -- ।	मप मज
प चै	-ध -न	पम --	गग -न	मध से-	पम --	गसा --	रेम अग
			धनि मन	धनि कसे	- -	ध -	पम -
गम आ-	मप -	पधु -	धनि -	निसां -	- -	पधु -व	प- रु
-नि -कि	निसां ति	नि -	प -	ग धी	मप रध	म रु	- -
धुप कसे	-ग -क	म रु	मप किति	धुप किति			

नाटक - मूक नायक : राग - मिश्रकाफी, ताल - त्रिवट (मात्र-८)

पद - उगिच का कांता

१	२	३	४	५	६	७	८
					×रे ×उ	गम गिच	पधु का-
पमप कां-	गुरे ता-	-मप -गां	नीनीपम --जि	गु-रेसा ता---	× ×	नीसा दा-	रेग सी-
मप -दी	गुरे -	रेगमप ना--	धुपमगु ---	रेसानीसा ---	× ×		
				म- व्या-	पप पुनि	पधनी या--	पध- --
नी सा	-सां- -री-	ध ध	नीसां रणी	-× -×	सांधसां मूर्तीआ-	रेंगं -	रेंसां- पुली-
नीसांरें या-	नीध नय	प- नी-	पधपधनी --	धनिसांधसां --खे-	निसा- ळ ते -	रेसां पहा	- -
नी ध दिन	मप रज	धनी नी	सां- -	×सां ×के	-नीध -विह	पप दय	मपनी मं-
पम च	गरे कीली-	रेगमप ना--	धपमग --	रेसानीसा --	×		

नाटक - मानापमान : राग - खमाज़, ताल - दादरा (मात्र-६)

पद (पूरब ढंगाची चाल) - पाही सदा मी

१	२	३	४	५	६		१	२	३	४	५	६
ग	-	ग	ग	ग	-		सारे	गम	-	-	ग	रे
पा	-	ही	स	दा	-		मी-	-	-	-	प	री
रे	मग	रे	सा	सा	रे		नि	सा	-	नि	रेसा	नि
के	-	वि	ना	-	थ		भा	-	-	से	-	म
ध	-	-	नि	ध	नि		सा	-	-	नि	सा	-
ला	-	-	-	-	न		वो	-	-	न	व	-।
नि	-	ध	-	-	नि		सा	-	नि	सा	सा	-
स्व	-	रु	-	-	प		ग	-	-	र्वा	-	-
ग	ग	ग	ग	ग	-		म	-	गप	म	म	-
क	रि	अ	द	य	-		ध	-	-	-	वा	-
ग	-	ग	-	ग	ग		ग	ग	-	रे	सा	-
दे	-	भू	-	ष	ण		स	हा	-	या	-	-
ग	ग	म	म	ग	ग		सारे	गम	-	ग	-	रे
ह	त	ब	ल	ह	द		या-	-	-	डा	-	व
नि	सा	निसा	नी	रेसा	नि		ध	-	-	पध	-	नि
हा	-	--	मां	--	डि		ला	-	-	--	-	न
सा	-	-	नि	सा								
वो			न	व								

नाटक - मानापमान : राग - -----, ताल - केरवा (मात्र-८)

पद - खरा तो प्रेम ना धरी लोभ मनी

१	२	३	४		१	२	३	४
			×सा		साग	गम	पध	पधनीसां
			×ख		रा-	तो-	प्रे-	मा--
--	धपप-	-नी	धप		म	ग	-सा	रेनि
--	ना--	ध	री-		लो	-	-भ	-म
सा-।	-ध	ध-	पध		सां	सां	सां	सां
नी-।	-न	भि-	जन		हि	त	र	त
--	सां	-रें	-रें		सांरेगंमं	गंरेंसां	-रें	सां
--	भा	-स्क	-र		ता--	--	-प	त
--	सांसां	सांसां	-सां		निसां	धप	मपनीध	-ग
--	विक	सत	-प		हा-	नलि	नी--	-खरा

नाटक - विद्याहरण : राग - देस , ताल - एकताल (मात्र-१२)

पद - मधुकर वन वन फिरत

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
रे म	रे धु	म क	प र	सां व	नी न	ध व	प न	प फि	ध र	म त	ग क
म री	ग -	रे गुं	- -	- -	म जा	- -	म र	प वा	- -	प ला	- -
रे भो	म -	पध गी-	नी- -	ध -	प पु	- -	ध ष्प	म मा	ग -	प ला	म -
ग अ	रे भि	म न	ग व	रे कु	सा सु	रे म	सा म	नी धू	- -	सा पा	- -
रे स	गु ह	रे ज	सा सु	रे च	नी वि	सा ती	- -	रे नू	- -	म त	म न
प गुं	- -	ध गा	- -	ध रा	- -	नी ला	ध -	नी -	ध -	सांनि -	नि -
सां दि	नी स	सां ला	- -	नी क	सां म	रें ला	- -	नी टा	- -	सां कु	सां नि
ध क	ध च	ध अ	ध द	ध य	ध भ	नी य	ध द	नी झा	ध -	प ला	- -
प को	- -	प म	रें ज	रें लें	- -	- -	सां सु	नी म-	नी न	सां द	सां ल
ध दु	- -	ध ख	ध वि	ध म	ध ज	नी ला	ध -	नी -	ध -	सांनि -	नि -

नाटक - संशय कल्लोळ : राग - खमाज, ताल - केरवा (मात्र-८)

पद (पूरब ढंगाची चाल) - संशय का मनी आला

१	२	३	४		१	२	३	४
×प	गम	पध	नीनी		पधनीसां	-	निसांनिध	पधप-
सं	शय	का-	मनी		आ--	-	--	-ला
प	गम	पध	नीसां		ध--	पध	म-धप	मग
सं	शय	का-	मनी		आ-	लाक	ळे-	ना-
×ध	धध	ध	धध		नी	-	धनीधप	मपध
×का	रण	का	यत		या	-	ला-	--
×नी	नीनी	सां	सां		-नी	निसां	निसांनिध	पधप-
×आ	ळवृ	था	की		-चि	त्रदि	ले---	-मी
×धप	गम	पध	नीनी		पधनीसां	-	निसांनिध	पधप-
को-	णा-	पर	पुरु		षा--	-	---	ला--

नाटक - स्वयंवर : राग - जंगला, ताल - जलद पंजाबी (मात्र-८)

पद - करिन यदु मनी सदन

१	२	३	४	५	६	७	८
		×नी ×क	धनी रिन	सारे यदु	गप -म-	ग-रेसा नी--	धनी सद
सा ना	- -	×नी ×रु	धनी चिर	सारे सद	गम नप	गम तिम	गप नस
ममग- ती--	गरेसारे ना--						
				साग अशु	गग भम	गमप- णी--	गम मय
रेम भुव	मप ना	ध-पम ब-ला-	पग -ना	गरे- --	नीध जरी	नीसा -ना	रेसा थर
रेप मे-	गरे ना-						

नाटक - एकच प्याला : राग - मांड गर्भा , ताल - दादरा (मात्र-६)

पद - मानस का बधिरावे

१	२	३	४	५	६		१	२	३	४	५	६
			ग	प	प		गम	पध	नीसां	-नी	ध	ध
			मा	न	स		का	-	-	-	ब	धि
पनि	धध	पग	प	मग	सारे		सा	-	ग	ग	म	ध
रा	-	-	-	-	-		वे	-	हे	ब	घ	त
प	म	ग	म	ग	रे		नि	रे	सा	ग	प	प
से	-	-	खि	न्न	-		ज	ग	ता	मा	न	स
×	नी	नी	नी	नी	नी		सां	-	-	निध	सां	-
×	गृ	ह	श्रृं	-	ख		ला	-	-	-	या	-
नी	-	पध	-	नी	सां		नीसां	नीध	पध	प	-	-
ह	-	ढ	-	ब	द्ध		पा-	--	--	या	--	--
×	ग	म	प	-	-		गम	पध	नीसां	-	ध	प
×	ब	ल	ना	-	-		भे-	--	--	-	द	त
ध	-	प	गध	पप	-		ग	रे	सा	ग	प	प
या	-	-	हो-	--	--		ता	-	-	मा	न	स

नाटक - एकच प्याला : राग - काफी जिल्हा, ताल - धुमाळी (मात्र-८)

पद - सत्य वदे वचनाला नाथा

१	२	३	४		१	२	३	४
×प	पप	प	पध		पमधप	गुरे	रेगमग	गमप-
×स	त्यव	दे	वच		ना--	ला-	ना--	था--
×रेगु	रेगु	रेसा	धनी		सा	सासा	नीरे	सा
×स्मरु	निप	दा-	ला-		या	सुर	विम	ला
×ध	सासा	सारेग-	गग		गमध-	प-म	गरे	सासा
×वि	त्तप	रा---	जित		मा--	नी--	विष	सम
×प	पप	पधनी-	धप		मप	गसा	गमपध	मप-
×स्प	र्शिन	ना---	कधि		मी-	त्या-	ला--	-

नाटक - आशानिराशा : राग - काफी जिल्हा, ताल - धुमाळी (मात्र-८)

पद - दिलरुबा हा या जिवाचा

१	२	३	४		१	२	३	४
×गु ×दिल्	-गु -रु	गु बा	गु हा		×रे ×या	मगु -जि	रेगु वा-	सा चा
गु बा	सा-सारे ज-सा-	गुरे -जि	सा रा		- -	नीरे हमि	सारेसानी रा --	ध्रुप हा
×प ×पा	-म -ख	मपध- रा---	पमप- या--		मगु -प्रे	-गु -म	रेगुमगु द्या--	रेसा या
×रे ×स्कं	-म -धि	रेम हृद	पधनी- यी--		प- ध्या-	-म --	रेमधप --	प-× -×
मप खुल्या	-म -दि	मपद- लां--	प चे		गु गु -प	गु गु डदे	रेगुमगु खो-	रेसा ला-
×गु ×का	रे-गु लिका	गुरे -लि	सा या		- -	नीरे गडे	सारेसानी या--	ध्रुप या-

नाटक - पटवर्धन : राग - मिश्र काफी , ताल - त्रिताल (मात्र-१६)

पद - मित भाषिणी

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
											म	प	गु	गु	म
											मि	त	भा	-	षि
प	-	-	म	ग	म	ध	प	म (धप)	गु	रे	गु	सा	रे	सा	
णी	-	-	ती	-	च	कु	ल	का	-	मि	नी	-	गृ	हि	णी
सा	म	म	प	म	प	गु	रे	रेगु	म	गु	रे	सा	रे	नी	सा
रु	चि	र	व	च	व	दु	नी	भू-	-	ष	वी	-	स्व	कु	ल
नी	नीसा	रेसा	सारे	गु	रे	मध	पम	गम	गुरे						
कु	ला-	--	चा-	-	र	रा-	-	खो-	-नी						
										म	-	प	ध	सां	-
										के	-	वि	मि	ळे	-
ध	सांरें	गुं-	रेंगुं	सां	-	रें	सां-	ध	ध	ध	ध	ध	-	प	ध
ज	नी-	-	-	मा	-	न्य	ता	अ	वि	न	य	ज्या	-	व	रि
पध	सांनी	ध	-प	म	प	गु	रे	-	सा	सा	सा	सां	-	सां	सां
ती	-	वा	-क्	प	टु	ता	-	-	कु	ल	क	लं	-	कि	नी
सां	नी	नीसां	रें	नि	सां	नि	ध	×	सां	नी	ध	प	-	प	प
ठ	र	ती-	-	व	नि	ता	-	×	मि	र	वि	ती	-	ज	नी
प	पध	नीध	धनिसांनि	धपमध	पमगम	गुरे									
स	दा	--	चा--	ररा-	-खो-	नी-									